ISSN: 3048-9423(Online)
Naveen International Journal of Multidisciplinary Sciences (NIJMS)
© NIJMS | Vol. 1 | Issue 6 | Jun-July 2025
Available online at: https://nijms.com/
DOI: https://doi.org/10.71126/nijms.v1i6.69

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति प्रत्यक्षण

वैभव सिंह[1] एवं देवेंद्र कुमार यादव[2]

एम. ए., शिक्षाशास्त्र विभाग. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

सहायक प्रोफेसर, शिक्षाशास्त्र विभाग. लखनऊ विश्वविद्यालय, लखनऊ, उत्तर प्रदेश

[1]Corresponding Author Email: *gvaibhavs8787@gmail.com*

[2]Email: *yadav_dk@lkouniv.ac.in*

शोध सारांश:

यह शोध पत्र भारत की नवीनतम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के प्रत्यक्षण का विश्लेषण करता है। शोध का उद्देश्य शिक्षकों के जेंडर और विषय-वर्ग (कला एवं विज्ञान) के आधार पर नीति के प्रति उनके प्रत्यक्षण की तुलना करना तथा उच्च और निम्न प्रत्यक्षण में योगदान देने वाले कारकों का अध्ययन करना था। लखनऊ जनपद के 100 माध्यमिक स्तर के शिक्षकों पर आधारित इस सर्वेक्षण में पाँच-बिंदु लिकर्ट स्केल का प्रयोग किया गया। परिणामों से पता चला कि महिला और पुरुष शिक्षकों तथा कला और विज्ञान विषय के शिक्षकों के प्रत्यक्षण में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। अधिकांश शिक्षक नीति के प्रति संतुलित दृष्टिकोण रखते हैं, जबकि कुछ उच्च और निम्न स्तर के दृष्टिकोण वाले भी पाए गए। शोध यह दर्शाता है कि नीति की सफलता के लिए शिक्षकों की समझ, सक्रिय सहभागिता और सकारात्मक दृष्टिकोण आवश्यक हैं। शिक्षकों के समग्र प्रत्यक्षण को मजबूत करने हेतु प्रशिक्षण, संसाधन और संवाद आवश्यक हैं ताकि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 प्रभावी रूप से लागू हो सके।

मुख्य शब्द : *राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, सक्रिय सहभागिता, शिक्षकों की समझ, समग्र प्रत्यक्षण।*

1. परिचय:

भारत की नवीनतम राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को देश की सांस्कृतिक विरासत, भारतीय ज्ञान परंपरा तथा वैश्विक प्रतिस्पर्धा के युग में शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के उद्देश्य से लागू किया गया है। यह नीति भारतीय मूल्यों, भाषाओं, परंपराओं एवं वैश्विक दृष्टिकोण के समन्वय से एक समग्र शिक्षा प्रणाली को स्थापित करने का प्रयास करती है (भारत सरकार, 2020)। लगभग 34 वर्षों के अंतराल के बाद प्रस्तुत इस नीति में शिक्षकों की भूमिका को केंद्रीय स्थान प्रदान किया गया है, क्योंकि किसी भी नीति का सफल कार्यान्वयन उसके प्रमुख हितधारकों की जागरूकता, दृष्टिकोण एवं सहभागिता पर निर्भर करता है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020, भारत की शिक्षा प्रणाली में एक युगांतकारी परिवर्तन की दिशा में कदम है। यह नीति न केवल छात्रों की रुचियों, क्षमताओं और विविधताओं को केंद्र में रखती है, बल्कि 21वीं सदी की आवश्यकताओं के अनुरूप एक समावेशी, लचीली और मूल्य-आधारित शिक्षा का रोडमैप प्रस्तुत करती है। 5+3+3+4 की नई संरचना, बहु-विषयक शिक्षा, मातृभाषा में शिक्षण, और सतत मूल्यांकन जैसे प्रावधानों के माध्यम से यह नीति एक व्यवहारिक और वैश्विक दृष्टिकोण को प्रकट करती है।

नैतिकता, सामाजिक उत्तरदायित्व, नवाचारशीलता और आत्मनिर्भरता को बढ़ावा देने पर बल देती है। नीति के सिद्धांतों में सार्वभौमिक पहुंच और समावेशिता, बहु-विषयकता और लचीलापन, नैतिक एवं मूल्य-आधारित शिक्षा, शिक्षार्थी-केंद्रित शिक्षण, आजीवन अधिगम, प्रौद्योगिकी का एकीकरण और शिक्षकों को केंद्र में रखना जैसे तत्व शामिल हैं। इन सिद्धांतों के माध्यम से यह नीति विद्यार्थियों को न केवल शिक्षित, बल्कि जागरूक और उत्तरदायी नागरिक बनाने का प्रयास करती है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में माध्यमिक स्तर की शिक्षा पर विशेष बल दिया गया है। यह वह स्तर है जहाँ छात्रों का व्यक्तित्व निर्माण, करियर की दिशा निर्धारण और ज्ञान के प्रति दृष्टिकोण का निर्माण होता है। इस स्तर पर शिक्षकों की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण हो जाती है, क्योंकि वे न केवल शैक्षणिक सामग्री का संप्रेषण करते हैं, बल्कि विद्यार्थियों के लिए प्रेरक, मार्गदर्शक और संरक्षक की भूमिका भी निभाते हैं। इसलिए, नीति की सफलता इस बात पर निर्भर करती है कि शिक्षक उसे किस दृष्टिकोण से देखते हैं और किस सीमा तक उसके क्रियान्वयन के प्रति सकारात्मक एवं सहयोगात्मक हैं। माध्यमिक स्तर के शिक्षक यदि नीति के उद्देश्यों, ढाँचे और कार्यान्वयन रणनीतियों के प्रति सकारात्मक दृष्टिकोण रखते हैं, तो नीति के क्रियान्वयन में गति और गुणवत्ता सुनिश्चित की जा सकती है। इसके विपरीत, यदि वे भ्रम, असमर्थता या असहमति की स्थिति में हैं, तो नीति के उद्देश्यों की पूर्ति कठिन हो जाती है। इसलिए, शिक्षकों का प्रत्यक्षण इस संदर्भ में एक महत्वपूर्ण शोध क्षेत्र बन जाता है।

2. शोध का औचित्य:

शोध साहित्य की समीक्षा से यह स्पष्ट होता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 पर अब तक अधिकतर अध्ययन इसके ढाँचागत पहलुओं, उच्च शिक्षा, या समावेशी शिक्षा पर केंद्रित रहे हैं, जबकि माध्यमिक स्तर के शिक्षकों के दृष्टिकोण एवं उनके प्रत्यक्षण पर आधारित अध्ययन अपेक्षाकृत बहुत कम संख्या में उपलब्ध हैं। कुछ अध्ययनों में नीति की अपेक्षाओं व सिद्धांतों की व्याख्या की गई है, परंतु शिक्षकों की वैयक्तिक प्रतिक्रिया, समझ, और नीति के व्यावहारिक क्रियान्वयन को लेकर विस्तृत अध्ययन नहीं हुए हैं। यह भी पाया गया है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति शिक्षकों की स्वीकृति, समझ और व्यवहारिक जटिलताओं को लेकर शोध की स्पष्ट आवश्यकता है। इसी शोध रिक्ति की पूर्ति हेतु शोधार्थी द्वारा यह विषय चयनित किया गया है, ताकि नीति की सफलता में शिक्षकों की भूमिका को प्रत्यक्षणात्मक स्तर पर समझा जा सके। शिक्षा के क्षेत्र में जब कोई नई नीति या बदलाव प्रस्तुत होता है, तो यह अत्यंत आवश्यक हो जाता है कि शिक्षक जो उस नीति के वास्तविक क्रियान्वयनकर्ता होते हैं उसे किस रूप में ग्रहण करते हैं। क्योंकि केवल नीति बनाना पर्याप्त नहीं, बल्कि उसका सार्थक और सकारात्मक रूप से लागू होना ही उसकी सफलता को तय करता है। इस सन्दर्भ में राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 को लेकर माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का प्रत्यक्षण अत्यंत महत्वपूर्ण अध्ययन का विषय बन जाता है।

शोध समस्या- माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति प्रत्यक्षण।

3. संक्रियात्मक परिभाषाएँ:

माध्यमिक स्तर के शिक्षक: माध्यमिक स्तर से तात्पर्य कक्षा 9 से 12 तक की शिक्षा से है, जहाँ शिक्षक विषय ज्ञान के साथ विद्यार्थियों में जीवन मूल्य, अनुशासन व उच्च शिक्षा की तैयारी का विकास करते हैं। इस अध्ययन में माध्यमिक स्तर उन शिक्षकों को इंगित करता है जो कक्षा-9 में शिक्षण कार्य कर रहे हैं।

- **राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020**: राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक समग्र, लचीली, समावेशी एवं गुणवत्ता-आधारित शिक्षा व्यवस्था स्थापित करने हेतु भारत सरकार द्वारा प्रस्तुत नीति है। इस अध्ययन में इसका आशय उन शैक्षिक प्रावधानों से है, जिन्हें माध्यमिक स्तर के शिक्षक समावेशी शिक्षा, शैक्षणिक संलग्नता, तकनीकी दक्षता व प्रशिक्षण अनुभव के आधार पर समझते और अपनाने का प्रयास करते हैं।
- **प्रत्यक्षण**: प्रत्यक्षण एक चयनात्मक मानसिक प्रक्रिया है, जिसमें व्यक्ति उद्दीपनों को न केवल अर्थ देता है, बल्कि पूर्व अनुभवों के आधार पर उनका विश्लेषण भी करता है। इस अध्ययन में यह माध्यमिक शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 की विशेषताओं, उद्देश्यों व प्रावधानों के प्रति मानसिक भागीदारी, दृष्टिकोण और अनुभव आधारित समझ को दर्शाता है।

4. शोध अध्ययन के उद्देश्य:

1. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का जेंडर के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति प्रत्यक्षण का अध्ययन करना।
2. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का विषय-वर्ग के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति प्रत्यक्षण का अध्ययन करना।

3. माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति उच्च एवं निम्न प्रत्यक्षण में योगदान करने वाले कारकों का अध्ययन करना।

5. शोध अध्ययन की परिकल्पनाएँ:

1. महिला एवं पुरुष शिक्षकों के प्रत्यक्षण के माध्य प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।
2. कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों के प्रत्यक्षण के माध्य प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा।

6. शोध विधि:

इस शोध अध्ययन की प्रकृति वर्णनात्मक है तथा इसमें सर्वेक्षण शोध विधि का उपयोग किया गया है।

जनसंख्या: इस शोध अध्ययन में शोधार्थी द्वारा जनसंख्या के रूप में लखनऊ जनपद के माध्यमिक स्तर पर कक्षा-9 में कार्यरत शिक्षकों को सम्मिलित किया गया था।

न्यादर्श: इस शोध अध्ययन में उद्देश्यपूर्ण न्यादर्श विधि का उपयोग करते हुए लखनऊ जनपद के कक्षा-9 में अध्यापन करने वाले 100 माध्यमिक शिक्षकों को न्यादर्श हेतु चयनित किया गया था।

शोध उपकरण: इस शोध अध्ययन में माध्यमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों के प्रत्यक्षण के मापन हेतु शोधकर्ता द्वारा पाँच-बिंदु लिकर्ट स्केल पर आधारित, पाँच आयामों (जागरूकता, समावेशी शिक्षा, शैक्षणिक संलग्नता, तकनीकी कौशल तथा शिक्षक प्रशिक्षण) के अंतर्गत 32 कथनों से युक्त स्व-निर्मित 'राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 प्रत्यक्षण मापनी' का उपयोग किया गया।

7. प्रदत्त का संकलन:

इस शोध अध्ययन से संबंधित प्रदत्तों का संकलन दिसंबर 2024 के प्रथम सप्ताह (2 दिसंबर से 7 दिसंबर, 2024) के मध्य विधिपूर्वक एवं चरणबद्ध ढंग से संपन्न किया गया। सर्वप्रथम शोधकर्ता द्वारा लखनऊ जनपद के चयनित माध्यमिक विद्यालयों के प्रधानाचार्यों से संपर्क स्थापित कर उन्हें अध्ययन की प्रकृति, उद्देश्य एवं संभावित शैक्षिक योगदान से अवगत कराया गया तथा प्रदत्तों के संग्रहण हेतु औपचारिक अनुमति प्राप्त की गई। अनुमोदन प्राप्ति के उपरांत, शोधार्थी ने लक्षित शिक्षकों के साथ प्रत्यक्ष संवाद के माध्यम से शोध का अभिप्राय स्पष्ट किया एवं उन्हें "राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण" विषयक मापनी पर उत्तर देने हेतु निर्देशित किया। प्रतिभागियों को यह भी आश्वस्त किया गया कि उनकी प्रतिक्रियाओं को पूर्णतः गोपनीय रखते हुए केवल शोध प्रयोजन के लिए उपयोग में लाया जाएगा।

सांख्यिकी प्रविधियाँ:

इस शोध अध्ययन में समस्त आँकड़ों के विश्लेषण के लिए शोधकर्ता द्वारा माध्य, मानक विचलन और t-परीक्षण को सांख्यिकी प्रविधियों के रूप में उपयोग किया था।

8. आँकड़ों का विश्लेषण एवं व्याख्या:

शोध उद्देश्य 1– माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का जेंडर के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण का अध्ययन करना।

इस शोध अध्ययन के प्रथम उद्देश्य के लिए माध्यमिक स्तर के शिक्षकों से प्राप्त आंकड़ों को जेंडर (पुरुष तथा महिला) के आधार पर व्यवस्थित करके सर्वप्रथम स्वतंत्र न्यादर्श t-परीक्षण सांख्यिकी की सभी अभिधारणाओं की जांच की गई। इस सांख्यिकी प्रविधि से जुड़ी सभी अभिधारणाओं के संतुष्ट हो जाने के बाद स्वतंत्र न्यादर्श-परीक्षण सांख्यिकी प्रविधि की सहायता से आँकड़ों का विश्लेषण किया गया। स्वतंत्र न्यादर्श-परीक्षण सांख्यिकी के परिणाम का वितरण तालिका 1 में प्रस्तुत किया गया है।

महिला एवं पुरुष शिक्षकों की प्रत्यक्षण हेतु तालिका

जेंडर	संख्या (N)	मध्य	मानक विचलन	स्वतंत्र्यांश (df)	t-मान	p-मान	सार्थकता स्तर
पुरुष	50	135.94	8.66	98	0.227	0.821	0.05
महिला	50	136.40	11.41				

तालिका 1

तालिका 1 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि महिला शिक्षकों के प्रत्यक्षण का माध्य 136.40 तथा मानक विचलन 11.41 है, इसी प्रकार पुरुष शिक्षकों के प्रत्यक्षण का माध्य 135.94 तथा मानक विचलन 8.66 है। दोनों समूहों के मध्य मात्र 0.46 अंकों का अंतर परिलक्षित होता है, जो तुलनात्मक रूप से नगण्य है। राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति महिला तथा पुरुष शिक्षकों के प्रत्यक्षण का परिकलित स्वतंत्र न्यादर्श t-परीक्षण का मान 0.227 है, जिसका स्वतंत्र्यांश 98 पर p-मान 0.821 है। यह मान 0.05 सार्थकता स्तर के मान से अधिक है, इसलिए सार्थकता के 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना महिला एवं पुरुष शिक्षकों के प्रत्यक्षण के माध्य प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं है, निरस्त नहीं की जा सकती है। परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति महिला तथा पुरुष शिक्षकों के प्रत्यक्षण के माध्य प्राप्तांकों में सार्थक अंतर नहीं है। अतः यह स्पष्ट होता है कि शिक्षकों का जेंडर (महिला तथा पुरुष) राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति उनके प्रत्यक्षण को प्रभावित नहीं करता है। शिक्षकों का नीति के प्रति दृष्टिकोण लगभग समान है, जिससे यह परिलक्षित होता है कि नीति की मूल अवधारणाओं, उद्देश्यों एवं क्रियान्वयन प्रक्रिया के प्रति शिक्षकों की समझ और अभिप्रेरणा लैंगिक पक्षपात से मुक्त है।

इस उद्देश्य से संबंधित आंकड़ों के विश्लेषण के उपरांत शोधार्थी ने परिणाम में पाया कि माध्यमिक स्तर के पुरुष तथा महिला शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण का स्तर एक समान है। इस शोध परिणाम की पुष्टि शोभा (2022), शर्मा एवं बाला (2022), पांडे एवं बिश्नोई (2023), सिंह, राउत एवं दास (2024) के शोध परिणामों से होती है। इन शोधार्थियों का शोध परिणाम भी इस तथ्य की पुष्टि करता है कि माध्यमिक स्तर पर कार्यरत पुरुष तथा महिला शिक्षकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण में सार्थक अंतर नहीं है। अतः यह कहा जा सकता है कि माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति- 2020 के प्रति प्रत्यक्षण में जेंडर के आधार पर कोई सांख्यिकीय रूप से महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया, जिससे यह स्पष्ट होता है कि शिक्षक समुदाय का नीति के प्रति दृष्टिकोण समरूप है।

शोध उद्देश्य 2– माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का विषय-वर्ग के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण का अध्ययन करना।

इस शोध अध्ययन के द्वितीय उद्देश्य के लिए माध्यमिक स्तर के शिक्षकों से प्राप्त आँकड़ों को उनके विषय-वर्ग (कला एवं विज्ञान) के आधार पर व्यवस्थित करके सर्वप्रथम स्वतंत्र न्यादर्श t-परीक्षण सांख्यिकी की सभी अभिधारणाओं की जाँच की गई। इस सांख्यिकी प्रविधि से जुड़ी सभी अभिधारणाओं के संतुष्ट हो जाने के बाद स्वतंत्र न्यादर्श t-परीक्षण सांख्यिकी प्रविधि की सहायता से आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। स्वतंत्र न्यादर्श t-परीक्षण सांख्यिकी के परिणाम का वितरण तालिका 2 में प्रस्तुत किया गया है।

कला और विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की प्रत्यक्षण हेतु तालिका

विषय-वर्ग	संख्या (N)	माध्य	मानक विचलन	स्वतंत्र्यांश (df)	t-मान	p-मान	सार्थकता स्तर
कला	50	137.56	8.70	98	1.385	0.169	0.05
विज्ञान	50	134.78	11.21				

तालिका 2

तालिका 2 के अवलोकन से स्पष्ट होता है कि कला वर्ग के शिक्षकों के प्रत्यक्षण का माध्य 137.56 तथा मानक विचलन 8.70 है जबकि विज्ञान वर्ग के शिक्षकों के प्रत्यक्षण का माध्य 134.78 तथा मानक विचलन 11.21 है। दोनों समूहों के बीच प्रत्यक्षण में मात्र 2.78 अंकों का अंतर देखा गया, जो नगण्य है।

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों के प्रत्यक्षण का परिकलित स्वतंत्र न्यादर्श t-परीक्षण का मान 1.385 है, जिसका स्वतंत्र्यांश 98 पर p-मान 0.169 है। यह मान 0.05 सार्थकता स्तर के मान से अधिक है, इसलिए सार्थकता के 0.05 स्तर पर सार्थक नहीं है। अतः शून्य परिकल्पना कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों के प्रत्यक्षण के माध्य प्राप्तांकों में कोई सार्थक अंतर नहीं होगा, निरस्त नहीं की जा सकती है। परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि विषय-वर्ग (कला एवं विज्ञान) के आधार पर शिक्षकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण समान है। यह परिलक्षित होता है कि शिक्षकों की नीति के प्रति समझ, दृष्टिकोण और अभिप्रेरणा उनके विषय-वर्ग पर निर्भर नहीं है और वे समान रूप से नीति की मूल अवधारणाओं से प्रभावित हैं।

इस उद्देश्य से संबंधित आंकड़ों के विश्लेषण के उपरांत शोधार्थी ने परिणाम में पाया कि माध्यमिक स्तर के कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण का स्तर एक समान है। इस शोध परिणाम की पुष्टि शर्मा एवं बाला (2022), पांडे एवं बिश्नोई (2023) के शोध परिणामों से होती है। इन शोधार्थियों के निष्कर्ष भी इस बात की पुष्टि करते हैं कि माध्यमिक स्तर पर कार्यरत शिक्षकों में विषय-वर्ग के आधार पर राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण में कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं है। निष्कर्ष स्वरूप कहा जा सकता है कि कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों द्वारा नीति के प्रति व्यक्त प्रत्यक्षण लगभग समान स्तर का है, जो यह दर्शाता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के उद्देश्यों, सिद्धांतों और क्रियान्वयन के प्रति उनके विचार निष्पक्ष और विषय-स्वतंत्र हैं।

शोध उद्देश्य 3– माध्यमिक स्तर के शिक्षकों का राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति उच्च एवं निम्न प्रत्यक्षण में योगदान करने वाले कारकों का अध्ययन करना।

शोध अध्ययन के तृतीय उद्देश्य के अंतर्गत माध्यमिक स्तर के शिक्षकों से प्राप्त आंकड़ों का विश्लेषण किया गया। सर्वप्रथम शिक्षकों के प्रत्यक्षण स्तर को तीन श्रेणियों में विभाजित किया गया उच्च स्तर, औसत स्तर तथा निम्न स्तर। यह वर्गीकरण शिक्षकों द्वारा दिए गए स्कोर के आधार पर किया गया, जो निर्धारित मापदंडों (जैसे- माध्य एवं मानक विचलन) के अनुसार किया गया। इस वितरण का विवरण तालिका 3 में प्रस्तुत है।

माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति उच्च एवं निम्न प्रत्यक्षण हेतु तालिका

स्तर	बारंबारता	प्रतिशत
उच्च स्तर	17	17%
औसत स्तर	68	68%
निम्न स्तर	15	15%

तालिका 3

तालिका 3 के अवलोकन से यह स्पष्ट होता है कि कुल 100 शिक्षकों में से 68 शिक्षकों (68%) का प्रत्यक्षण औसत स्तर पर है, 17 शिक्षकों (17%) का प्रत्यक्षण उच्च स्तर पर तथा 15 शिक्षकों (15%) का प्रत्यक्षण निम्न स्तर पर है। इससे यह परिलक्षित होता है कि अधिकांश शिक्षक राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति न तो अत्यधिक सकारात्मक हैं और न ही नकारात्मक, बल्कि उनका दृष्टिकोण मध्यम स्तर का, संतुलित या तटस्थ प्रकृति का है। केवल सीमित संख्या में शिक्षक ऐसे हैं जिनका दृष्टिकोण स्पष्ट रूप से अत्यधिक सकारात्मक (17%) अथवा नकारात्मक (15%) है। परिणामस्वरूप यह कहा जा सकता है कि नीति की अवधारणाओं, उद्देश्यों और क्रियान्वयन प्रक्रिया के प्रति शिक्षकों की प्रतिक्रिया विविध है, किंतु व्यापक रूप से औसत स्तर पर स्थिर है। इस निष्कर्ष से यह स्पष्ट रूप से परिलक्षित होता है कि यदि नीति के क्रियान्वयन को प्रभावशाली बनाना है, तो शिक्षकों की

सहभागिता, समझ और दृष्टिकोण को और अधिक सशक्त बनाना होगा। केवल औपचारिक घोषणा और दस्तावेज़ीकरण पर्याप्त नहीं, अपितु शिक्षकों में नीति के प्रति बौद्धिक, भावनात्मक और क्रियात्मक जुड़ाव उत्पन्न करना होगा।

9. शोध अध्ययन के निष्कर्ष:

आँकड़ों के विश्लेषण से निम्नलिखित शोध निष्कर्ष प्राप्त हुए-

- इस शोध अध्ययन में महिला एवं पुरुष शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति प्रत्यक्षण में कोई सांख्यिकीय रूप से कोई महत्वपूर्ण अंतर नहीं पाया गया। दोनों ही वर्गों के शिक्षकों का नीति के प्रति प्रत्यक्षण लगभग एक समान सकारात्मक एवं संतुलित है। यह स्पष्ट करता है कि शिक्षकों का जेंडर राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति सोच को प्रभावित नहीं करता। इसका तात्पर्य यह है कि शिक्षक समुदाय में नीति की मूल अवधारणाओं एवं उद्देश्यों को लेकर लैंगिक भिन्नता नहीं पाई गई।
- इस शोध अध्ययन में कला एवं विज्ञान वर्ग के शिक्षकों में भी प्रत्यक्षण के स्तर में कोई सार्थक अंतर नहीं पाया गया। यह संकेत करता है कि शिक्षकों की समझ, दृष्टिकोण एवं अभिप्रेरणा विषय की प्रकृति से स्वतंत्र है। दोनों ही विषय वर्गों के शिक्षकों ने नीति को सकारात्मक भाव से स्वीकार किया है, जिससे यह स्पष्ट होता है कि विषय-वर्ग का शिक्षक के प्रत्यक्षण पर कोई प्रभाव नहीं पड़ता है।
- इस शोध अध्ययन में कुल 100 शिक्षकों में से 17% शिक्षक उच्च स्तर, 68% शिक्षक औसत स्तर, तथा 15% शिक्षक निम्न स्तर पर नीति के प्रति प्रत्यक्षण रखते हैं। यह दर्शाता है कि अधिकांश शिक्षक नीति को लेकर संतुलित या औसत दृष्टिकोण रखते हैं। वहीं, अल्पसंख्या में कुछ शिक्षक अत्यधिक सकारात्मक हैं, जबकि कुछ नीति के कुछ पक्षों को लेकर अभी भी अनिश्चित या असहज हैं।

10. शोध अध्ययन के शैक्षिक निहितार्थ:

राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 एक व्यापक एवं दूरदर्शी दस्तावेज है, जो भारत की शिक्षा व्यवस्था को समावेशी, लचीला और कौशल-उन्मुख बनाने का लक्ष्य रखती है। इस शोध अध्ययन के निष्कर्षों से यह स्पष्ट होता है कि माध्यमिक स्तर के शिक्षक नीति के प्रति सकारात्मक रुझान रखते हैं। इसका तात्पर्य यह है कि यदि उन्हें आवश्यक संसाधन, प्रशिक्षण एवं समर्थन प्राप्त हो, तो वे इस नीति को प्रभावी ढंग से क्रियान्वित कर सकते हैं। शोध से यह भी स्पष्ट हुआ कि शिक्षकों की नीति के प्रति समझ में कोई लैंगिक या विषय-आधारित भिन्नता नहीं है। इसका शैक्षिक निहितार्थ यह है कि नीति के प्रचार-प्रसार, प्रशिक्षण एवं मार्गदर्शन कार्यक्रमों को सभी शिक्षकों के लिए समान रूप से लागू किया जा सकता है। शिक्षकों का औसत दृष्टिकोण यह इंगित करता है कि नीति के अनेक आयामों पर अभी और स्पष्टता, संवाद और व्यावहारिक उदाहरणों की आवश्यकता है। इस शोध से यह भी परिलक्षित होता है कि शिक्षकों को केवल नीति के बारे में जानकारी देना पर्याप्त नहीं है, अपितु उनमें उसके प्रति बौद्धिक, भावनात्मक और क्रियात्मक जुड़ाव भी उत्पन्न करना होगा। इसके लिए आवश्यक है कि उन्हें नीति के निर्माण, क्रियान्वयन तथा मूल्यांकन की प्रक्रियाओं में सक्रिय भागीदारी का अवसर दिया जाए।

अंततः, विद्यालय प्रशासन, प्रधानाचार्य तथा शिक्षा विभाग को भी यह समझने की आवश्यकता है कि जब तक शिक्षक स्वयं को नीति के उद्देश्यों से जुड़ा हुआ महसूस नहीं करेंगे, तब तक उसका वास्तविक क्रियान्वयन संभव नहीं हो पाएगा। अतः विद्यालय स्तर पर संवाद, चर्चा, कार्यशालाएँ, और अनुभव आधारित गतिविधियों के माध्यम से नीति को शिक्षकों के दैनिक कार्य-कलापों का हिस्सा बनाया जाना चाहिए।

इस प्रकार, यह शोध अध्ययन हमें यह संकेत देता है कि राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रभावी क्रियान्वयन के लिए केवल दस्तावेज़ी पहल पर्याप्त नहीं है, बल्कि शिक्षकों की सक्रिय भागीदारी, स्पष्ट समझ, और सकारात्मक दृष्टिकोण को बढ़ावा देना अत्यंत आवश्यक है। यही इस नीति को व्यवहार में साकार रूप देने की दिशा में एक सशक्त कदम होगा।

REFERENCES

[1] Abraham, M. S., Pai, D. K. V., & Preetha, R. (2022). शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के प्रति धारणा. *International Journal of Health Sciences*, *6*(S2), 14314–14326. https://doi.org/10.53730/ijhs.v6nS2.8754

[2] Chandra, U., & Singh, S. P. (2024). NEP 2020: समग्र विकास में शिक्षक शिक्षा और शिक्षक की भूमिका. *The Academic Journal*, *7*(3), 78-89. https://theacademic.in/wp-content/uploads/2024/10/9a.pdf

[3] Devi, L., & Cheluvaraju. (2020). वाणिज्य और प्रबंधन अनुशासन के हितधारकों के बीच राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रभाव के बारे में जागरूकता पर एक अध्ययन: *European Journal of Business and Management Research*, *5*(6), 104-109. https://doi.org/10.24018/ejbmr.2020.5.6.630

[4] Kulal, A., Abhishek, N., Dinesh, S., Bhat, D. C., & Girish, A. (2024). भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 के वादे और कठिनाइयों का मूल्यांकन: छात्रों, शिक्षकों और विशेषज्ञों के दृष्टिकोण से अंतर्दृष्टि. *SAGE Open*, *14*(3). https://doi.org/10.1177/21582440241279367

[5] Kumar, P., & Singh, R. (2023). माध्यमिक स्तर के शिक्षकों में नई शिक्षा नीति (2020) की जागरूकता का अध्ययन: *Journal of Emerging Technologies and Innovative Research*, *10*(3), 579-585. https://www.jetir.org/papers/JETIR2303579.pdf

[6] Kumari, S. (2024). NEP 2020 और शिक्षक शिक्षा: भारत में शिक्षकों की पेशेवर भूमिका का रूपांतरण. *International Journal of Research Culture Society*, *8*(7). https://doi.org/10.2018/IJRCS.2024.8.7

[7] Maruthavanan, M. (2020). मदुरै जिले के माध्यमिक विद्यालय शिक्षकों में नई शिक्षा नीति (2019) के बारे में जागरूकता पर एक अध्ययन. *Shanlax International Journal of Education*, *8*(3), 67-71. https://doi.org/10.34293/education.v8i3.3109

[8] Mondal, P. (2024). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020 में प्रतिबिंबित शिक्षकों की भूमिका की खोज . *International Journal of Research and Review*, *11*(5), 487-495. https://doi.org/10.52403/ijrr.20240556

[9] Panditrao, M., & Panditrao, M. (2020). राष्ट्रीय शिक्षा नीति 2020: छात्र, अभिभावक, शिक्षक या उच्च शिक्षा संस्थान/विश्वविद्यालय के लिए क्या है?. *Adesh University Journal of Medical Sciences & Research*, *2*(2), 1-10. https://doi.org/10.25259/AUJMSR_32_2020

[10] Sharma, A., & Kumar, R. (2023). NEP 2020 की सिफारिशों का माध्यमिक शिक्षा में एकीकरण: शिक्षकों की धारणाएं: *International Journal of Creative Research Thoughts*, *11*(3), 338-346. https://ijcrt.org/papers/IJCRT2403338.pdf

[11] Singh, A., & Rao, M. (2024). नई शिक्षा नीति 2020 का प्रभाव का विश्लेषण: भारतीय शैक्षिक सुधारों की एक व्यापक समीक्षा: *Evaluation and Program Planning*, *108*, 102501. https://doi.org/10.1016/j.evalprogplan.2024.102501

[12] Soni, R., & Tiwari, S. (2024). शिक्षकों के दृष्टिकोण का मूल्यांकन: राष्ट्रीय शिक्षा नीति (NEP) 2020 के कार्यान्वयन के संबंध में शिक्षकों की प्रतिक्रिया पर एक अध्ययन. *Iris Journal of Education & Research*, *3*(1), 501-508. https://doi.org/10.53555/ijer.ms.id.000552

[13] Sontakke, S. G., & Vartale, S. P. (2024). NEP 2020: शिक्षक शिक्षकों की भूमिका का रूपांतरण: *International Journal of All Research Education and Scientific Methods*, *12*(1), 234-245. https://www.researchgate.net/publication/377210397

[14] Thakur, P., & Kumar, R. (2021). शैक्षिक नीतियां, भारत की राष्ट्रीय शिक्षा नीतियों का तुलनात्मक विश्लेषण और चुनौतियां: *International Journal of Multidisciplinary Educational Research*, *10*(2), 45-58.

Cite this Article:

***वैभव सिंह एवं देवेंद्र कुमार यादव, "माध्यमिक स्तर के शिक्षकों की राष्ट्रीय शिक्षा नीति-2020 के प्रति प्रत्यक्षण"**, Naveen International Journal of Multidisciplinary Sciences (NIJMS), ISSN: 3048-9423 (Online), Volume 1, Issue 6, pp. 106-112, Jun-July 2025.*

Journal URL: https://nijms.com/

***DOI:** https://doi.org/10.71126/nijms.v1i6.69*

This work is licensed under a Creative Commons Attribution-NonCommercial 4.0 International License.